

प्रेषक,

राधा रतूड़ी  
सचिव  
उत्तरांचल शासन

सेवा में,

प्रबन्ध निदेशक,  
उत्तरांचल अल्पसंख्यक कल्याण तथा वक्फ विकास निगम,  
देहरादून।

समाज कल्याण अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक २९ जून 2006

विषय:- उत्तरांचल अल्पसंख्यक कल्याण तथा वक्फ विकास निगम के माध्यम से अल्पसंख्यक समुदाय की महिलाओं हेतु प्रोजेक्ट "रहबर" के अन्तर्गत व्यवसायिक प्रशिक्षण योजनाओं का संचालन किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उत्तरांचल अल्पसंख्यक कल्याण तथा वक्फ विकास निगम द्वारा राज्य सरकार से प्राप्त धनराशि से अल्पसंख्यक महिलाओं हेतु व्यावसायिक प्रशिक्षण योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। जिससे प्रोजेक्ट "रहबर" के नाम से जाना जायेगा। चूंकि प्रशिक्षण के संचालन के लिये समग्र एवं विस्तृत नियमावली के अभाव में प्रशिक्षण की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। अतः प्रोजेक्ट "रहबर" के संचालन की पूर्व नियमावली को अतिक्रमण करते हुए सभी लक्षित वर्ग की महिलाओं के लिए उक्त प्रोजेक्ट के सुगम, स्पष्ट एवं विस्तृत नियमावली बनाई जाती है।

2- सफल एवं गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण के लिये आवश्यक है कि पूर्व पात्र प्रशिक्षणार्थियों की अभिरुचि का सर्वेक्षण कर प्रशिक्षण के लिये उत्तम कोटि की संस्था का चयन किया जाये और प्रशिक्षण समाप्ति तक निरंतर अनुश्रवण किया जाता रहे। अतः प्रशिक्षण सम्बन्धी सम्पूर्ण प्रक्रिया, पात्रता, प्रशिक्षणदायी संस्थाओं के चयन का निर्धारण करते हुए भविष्य में समस्त प्रशिक्षण इस नियमावली में प्राविधानित प्रक्रिया के अनुरूप चलाई जायेगी जबतक कि इसमें किसी प्रकार का संशोधन एवं परिवर्तन न किया जाय।

### प्रशिक्षण योजनाओं की रूपरेखा

1 पात्रता:- उत्तरांचल अल्पसंख्यक कल्याण तथा वक्फ विकास निगम द्वारा प्रोजेक्ट रहबर के अन्तर्गत संचालित प्रशिक्षण हेतु उत्तरांचल में निवास करने वाले अल्पसंख्यक समुदाय के गरीबी की रेखा से नीचे अथवा गरीबी की रेखा से दुगुनी आय सीमा के अन्तर्गत जीवन यापन करने वाले परिवारों की महिलाओं को दिया जायेगा।

विज्ञापन प्रकाशित करायेगा जिससे पर्याप्त मात्रा में प्रशिक्षण हेतु आई अभ्यर्थियों के आवेदन प्राप्त किये जा सकें।

आवेदन पत्र प्राप्त होने के उपरान्त पात्रता के आधार पर उनका परीक्षण कर चयन समिति द्वारा साक्षात्कार के लिये तिथि निर्धारित की जायेगी। साक्षात्कार में उपयुक्त प्रशिक्षार्थियों का चयन किया जायेगा और कम से कम 25 प्रतिशत प्रशिक्षार्थी प्रतीक्षा सूची में भी चयनित किये जायेंगे ताकि चयनित लाभार्थियों के भाग न लेने पर प्रतीक्षा सूची में अंकित प्रशिक्षार्थियों को लाभान्वित किया जा सके। चयन का आधार मुख्यतः लाभार्थी की अभिरुचि उसकी शैक्षिक योग्यता का स्तर और प्रशिक्षण कार्यक्रम के सम्बन्ध में उसकी सामान्य जानकारी होगा।

**6 प्रशिक्षण संस्था:-** प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु निम्न संस्थाएं पात्र होंगी:

शासकीय संस्थाओं के अतिरिक्त ऐसी संस्थाएं जो कम्पनी एक्ट अथवा सोसाईटी एक्ट के तहत पंजीकृत हों और जिसके प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा प्रमाण-पत्र प्रामाणिक एवं भारत सरकार तथा राज्य सरकार की व्यवसाय विशेष की संस्था से मान्यता प्राप्त हों। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालयों, आई.आई.टी. से सम्बद्ध मान्यता प्राप्त संस्थाएं भी प्रशिक्षण प्रदत्त कर सकेंगीं।

स्वैच्छिक संगठनों के सम्बन्ध में निम्न शर्तें मानी जायेगी :-

1. संस्था का नाम भारत सरकार अथवा राज्य सरकार की काली सूची में शामिल नहीं होना चाहिए।
2. संस्था के चयन में इस पर भी विचार किया जायेगा कि संस्था प्रशिक्षण के उपरान्त प्रशिक्षार्थियों को व्यवसायिक दृष्टि से लाभान्वित करने में सक्षम है अथवा नहीं?

**7 प्रशिक्षण संस्था का चयन:-**

- समान्यतः सभी प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिये शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्थाओं को वरियता प्रदान की जायेगी। किन्तु निर्धारित पात्रता रखने वाली स्वैच्छिक/स्वायत्त शासी संस्थाएं भी प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करने हेतु आवेदन कर सकती हैं।
- ऐसी संस्था जिस व्यवसाय में उनके द्वारा प्रशिक्षण संचालित किया जाता है, का प्रस्ताव निगम के जिला प्रबन्धक के माध्यम से अथवा निगम मुख्यालय में सीधे प्रबन्ध निदेशक को प्रस्तुत करेंगे।
- प्रस्ताव से संतुष्ट होने के उपरान्त उत्तरांचल अल्पसंख्यक कल्याण तथा वक्फ विकास निगम लि. संस्था को प्रशिक्षण की स्वीकृति प्रदान करेगा। प्रबन्ध निदेशक के स्तर पर प्राप्त प्रस्तावों की स्वीकृति के प्रकरण में सम्बन्धित संस्था की जांच कराने हेतु प्रबन्ध निदेशक द्वारा जिला प्रबन्धक अथवा निगम मुख्यालय के अधिकारियों को भी निर्देशित किया जा सकेगा। स्वीकृति के सम्बन्ध में प्रबन्ध निदेशक का निर्णय अन्तिम एवं मान्य होगा।

अन्य शर्तें:- प्रबन्ध निदेशक द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रस्ताव की स्वीकृति के उपरान्त निम्न कार्यवाही की जायेगी



11 प्रशिक्षण के उपरान्त उत्तीर्ण प्रशिक्षार्थियों को उत्तरांचल अल्पसंख्यक कल्याण तथा वक्फ विकास निगम द्वारा संचालित स्वतः रोजगार योजना में लाभान्वित करने में प्राथमिकता प्रदान की जायेगी और यह प्रयास किया जायेगा कि प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण के वर्ष अथवा उसके अगले वर्ष स्वतः रोजगार योजना के अन्तर्गत लाभान्वित करा दिया जायेगा। स्वतः रोजगार हेतु प्रशिक्षित लाभार्थी का ऋण/अनुदान लेने हेतु पुनः चयन भी आवश्यक नहीं होगा।

12 प्रशिक्षण के समापन पर संस्था द्वारा प्रत्येक प्रशिक्षण कार्यक्रम का विवरण, प्रशिक्षण की अवधि, लाभार्थी की सूची, फोटो, समाचार पत्रों की कटिंग, आगन्तुको के निरीक्षण आख्या सहित निगम को ब्यौरा (feed back paper) देना होगा।

13 निगम के द्वारा ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संस्थावार, व्यवसायवार विवरण पंजिका में अभिलेखीय परियोजना हेतु रखा जायेगा। जिसमें लाभार्थी संख्या, प्रशिक्षण प्रारम्भ होने की तिथि, समाप्त होने की तिथि, प्रशिक्षण पर हुए व्यय का विवरण, तथा प्रशिक्षणदायी संस्था का उल्लेख किया जायेगा।

#### 8 प्रशिक्षण का कार्यक्षेत्र, शुल्क एवं प्रशिक्षण की अवधि :-

प्रति प्रशिक्षार्थी प्रशिक्षण शुल्क की दर प्रत्येक व्यवसाय के लिए भिन्न-भिन्न होगी और ये दरें प्रति प्रशिक्षण रुपये 10,000/- से अधिक नहीं होगी, विशिष्ट पाठ्यक्रमों के लिये जिसमें शासकीय शुल्क की दरें रुपये 10,000/- से अधिक होंगी तथा जिसमें आवासीय व्यय की भी आवश्यकता पड़ेगी की स्वीकृति हेतु प्रबन्ध निदेशक को अधिकार होगा। संस्था द्वारा मांगी गई शुल्क की दरों की पुष्टि उसी पाठ्यक्रम के लिये शासकीय संस्थाओं द्वारा लिये जाने वाले शुल्क दरों से मिलान करने के उपरान्त स्वीकृत किया जायेगा। जिन पाठ्यक्रमों में शासकीय दरें उपलब्ध नहीं हैं, उन पाठ्यक्रमों के लिये पाठ्यक्रम की अवधि, उसकी प्रकृति, उसमें लगने वाले कच्चे माल, प्रशिक्षकों की संख्या आदि के दृष्टिगत प्रबन्ध निदेशक द्वारा निर्धारित की जायेगी। ऐसे प्रकरणों में उसी पाठ्यक्रमों के लिये अन्य संस्थाओं द्वारा लिये जाने वाले शुल्क से तुलना की जा सकती है।

अतः उक्तानुसार प्रोजेक्ट "रहबर" के अन्तर्गत निर्धारित नियमावली के अनुसार प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन एवं किन्यावयन किया जाना सुनिश्चित करने का कष्ट करे।

यह आदेश सार्वजनिक उद्यम ब्यूरो, उत्तरांचल शासन की सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(राधा रतूड़ी)  
सचिव

संख्या:- 88/ /xvii(1)-1/2006 तददिनांक

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. निदेशक समाज कल्याण उत्तरांचल हल्द्वानी(नैनीताल)।